राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 13मई2020 वर्ष–2, अंक –70 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना से खत्म होने लगती है सूंघने की क्षमता सूंघने और स्वाद लेने की क्षमता हो जाती है खत्म

सिडनी (ईएमएस)। कई अध्ययन में यह साबित हो चुका है कि कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों में सूंघने और स्वाद लेने की क्षमता का खत्म होने लगती है। कोरोना संक्रमित 103 मरीजों पर हुए ताजा अध्ययन में यह बात सामने आई है कि संक्रमण के तीन दिन बाद से ही व्यक्ति के सूंघने की क्षमता प्रभावित हो रही है। अध्ययन में बताया गया है कि संक्रमण के तीसरे दिन से व्यक्ति के सूंघने की क्षमता प्रभावित होने लगती है। अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी के प्रमुख शोधकर्ता प्रो. अहमद सेदाघाट का कहना है कि 103 मरीजों में से 61 फीसदी मरीजों के सूंघने की क्षमता कम होने लगी थी या खत्म हो गई थी। अध्ययन में यह भी पता चला है कि ये समस्या तब और गंभीर हो जाती है, जब मरीज को सांस लेने की तकलीफ अधिक होने के साथ बुखार और कफ की शिकायत होती है।

वैज्ञानिकों को कहना है कि सूंघने की क्षमता का कम होना इस बात का संदेश है कि मरीज में संक्रमण का शुरुआती दौर है और आने वाले समय में और सावधान होने की जरूरत है। रिपोर्ट के अनुसार युवा मरीज और महिलाओं में भी सूंघने की क्षमता कम होती है। अध्ययन में शामिल 50 फीसदी मरीजों में 35 फीसदी को नाक संबंधी तकलीफ थी। किसी की नाक बह रही थी तो किसी को नाक बंद–बंद सी महसूस हो रही थी। इस तरह के लक्षण एलर्जी से भी हो सकते हैं। ऐसे में मास्क पहनकर अपने साथ दूसरों को सुरक्षित रख सकते हैं।

शोधकर्ताओं का कहना कि सूंघने की क्षमता कम होने का मतलब ये नहीं की मौत करीब है। इससे डरने या घबराने की जरूरत नहीं है। इस लक्षण के जरिए उन मरीजों की पहचान हो सकेगी, जिनमें बुखार और खांसी जैसे लक्षण नहीं हैं और जाने अनजाने में वो दूसरों को संक्रमित कर रहे हैं। ऐसे में सजग रहकर सुरक्षित रहा जा सकता है।

पीएम मोदी ने हर वर्ग को दिया रिलीफ, 20 लाख करोड़ रु के आर्थिक पैकेज की घोषणा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए लागू लॉकडाउन से प्रभावित लोगों एवं उद्योगों के लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज की मंगलवार को घोषणा की है। पीएम मोदी ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वह इस पैकेज का एलान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार शाम आठ बजे राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में इसका एलान किया। उन्होंने कहा कि आज उनके द्वारा घोषित पैकेज और पहले सरकार की ओर से दिए गए आर्थिक पैकेज, एवं रिजर्व बैंक के फैसलों के जरिए दी गई राहत को मिला दिया जाए तो सरकार ने 2020 में 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह भारत की जीडीपी के 10 फीसद के बराबर है।

पीएम मोदी ने कहा, ''कोरोना संकट का सामना करते हुए नए संकल्प के साथ मैं आज एक विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा कर रहा हूं। ये आर्थिक पैकेज आत्मनिर्भर भारत अभियान की अहम कड़ी के तौर पर काम करेगा। हाल में सरकार ने कोरोना संकट से जुड़ी जो आर्थिक घोषणाएं की थी, जो रिजर्व बैंक के फैसले थे और आज जिस आर्थिक पैकेज का एलान हो रहा है, उसे जोड़ दें तो ये करीब 20 लाख करोड़ रुपये का है। ये पैकेज भारत की जीडीपी का करीब–करीब 10 प्रतिशत है। पीएम मोदी ने कहा कि इस विशेष आर्थिक पैकेज में भूमि, श्रम, नकदी और कानून पर जोर दिया जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार से विशेष आर्थिक पैकेज से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा करेंगी। उन्होंने कहा कि विशेष आर्थिक पैकेज देश के श्रमिकों, किसानों, ईमानदार करदाताओं, एमएसएमई और कुटीर उद्योग के लिए है।

कोरोना केस में जल्दी ही चीन से आगे निकल सकता है भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनियाभर में कोहराम मचाने वाले कोरोना की शुरुआत चीन के वुहान से हुई थी। इसके बाद वहां हजारों लोगों कोरोना की चपेट में आ गए। लेकिन आज चीन कोरोना के सर्वाधिक मामलों की सूची में टॉप टेन से बाहर हो चुका है। वहीं, जिस तेजी से भारत में मामले बढ़ रहे हैं,उससे अनुमान लगाया जा रहा है कि भारत जल्दी कोरोना केस के मामले में चीन से भी आगे निकल जाएगा।

अमरीका, स्पेन, ब्रिटेन, रूस, इटली, फ्रांस, जर्मनी, ब्राजील, तुर्की और ईरान टॉप टेन की अनचाही सूची में शामिल हैं। कोरोना ने अमेरिका में सबसे ज्यादा हाहाकार मचाया है। वहां 13 लाख से अधिक लोग इसकी चपेट में हैं और 80 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सूची में चीन 11वें स्थान पर है और भारत 12वें स्थान पर है। भारत में जिस रफ्तार से मामले बढ़ रहे हैं, उससे अगले तीन–चार दिन में चीन से आगे निकल सकता है। भारत में शनिवार को कुल देश में कोरोना संक्रमण के कुल 3,171 नए मामले सामने आए जबकि रविवार को यह संख्या रिकॉर्ड 4,308 रही। सोमवार को 3,613 नए मामले सामने आए। इस तरह देश में तीन दिन में कोरोना के 11 हजार से अधिक मामले आए। इस हिसाब से भारत तीन–चार दिन में चीन को पछाड़ देगा।

भारत में आज सुबह तक के आंकड़ों के मुताबिक कोरोना मरीजों की संख्या 70,756 थी। इनमें से 22455 मरीज ठीक हो चुके हैं जबकि 2293 की मौत हो चुकी है। उधर चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 82,918 हो गए हैं। जहां भारत में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं वहीं चीन ने काफी हद तक इस पर काबू कर लिया है।

सऊदी अरब ने करों में की तीन गुना बढ़ोतरी, खर्च में की जाएगी 26 अरब डॉलर की कटौती

दुबई (ईएमएस)। सऊदी अरब ने कहा है कि वह कोरोना वायरस के संक्रमण और तेल की कीमतों में आई गिरावट की वजह से अर्थव्यवस्था को हुए नुकसान के कारण बुनियादी वस्तुओं पर करों को तीन गुना वृद्धि करते हुए उनमें 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने जा रहा है। इसके साथ ही प्रमुख परियोजनाओं पर खर्च में करीब 26 अरब डॉलर की कटौती की जाएगी।

सऊदी अरब के वित्त मंत्री के मुताबिक वहां के नागरिकों को 2018 से शुरू हुआ निर्वाह व्यय भत्ता भी नहीं मिलेगा। अर्थव्यवस्था के विविधीकरण के प्रयासों के बावजूद सऊदी अरब राजस्व के लिए तेल पर बहुत अधिक निर्भर है। ब्रेंट क्रूड इस समय करीब 30 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर है। कीमत का यह स्तर सऊदी अरब के अपने खर्च को पूरा करने के लिए काफी कम है। इसके अलावा कोरोना वायरस महामारी के चलते लागू लॉकडाउन के कारण मुस्लिम तीर्थस्थल मक्का और मदीना की यात्रा भी बंद है।

इससे राजशाही को राजस्व का नुकसान हो रहा है। साथ ही अनुमान जताया जा रहा है कि इस साल सऊदी अरब के पड़ोसी देश भी अपने नागरिकों पर ऊंचे कर लगा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है कि सभी छह तेल उत्पादक खाड़ी के देशों में इस साल आर्थिक मंदी रहेगी। सऊदी अरब के वित्त मंत्री और अर्थव्यवस्था तथा नियोजन कार्यवाहक मंत्री मोहम्मद अल–जादान ने कहा हम एक ऐसे संकट का सामना कर रहे हैं, जिसे आधुनिक इतिहास में दुनिया ने कभी नहीं देखा है, जो अनिश्चितता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आज जो उपाए किए गए हैं, वे जितने कठिन हैं, व्यापक वित्तीय और आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने के लिए उतने ही जरूरी और लाभदायक भी हैं। सरकार का राजस्व वर्ष 2020 की पहली तिमाही में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 22 प्रतिशत कम हुआ और घाटा नौ अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इस दौरान पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले तेल से कमाई 24 प्रतिशत घटी है।

पाक में ईसाई लड़की को अगवा कर किया धर्म परिवर्तन, फिर मुस्लिम युवक से कराया निकाह

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू, सिख और ईसाई अल्पसंख्यकों पर धार्मिक अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ध र्म परिवर्तन के लिए बदनाम पंजाब सूबे के फैसलाबाद से 14 साल की एक ईसाई लड़की को उसके घर से अपहरण कर जबरन धर्म परिवर्तन करवा दिया गया। इसके बाद एक मुस्लिम लड़के से उसका विवाह करा दिया गया।

इंटरनेशल क्रिश्चियन कन्सर्न के अनुसार, अप्रैल महीने के अंत में पंजाब के फैसलाबाद से 14 साल की ईसाई लड़की मायरा शहबाज का मुस्लिम युवकों के एक गुट ने अपहरण कर लिया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया मायरा जब घरेलू कामगार के रूप में अपने कार्यस्थल की ओर जा रही थी तब उसे जबरन कुछ हथियारबंद मुस्लिम युवकों ने कार में बैठा लिया।

मायरा की मां निगहत ने इंटरनेशनल क्रिश्चियन कन्सर्न से शिकायत की कि उन्हें डर है कि उनकी बेटी के साथ बलात्कार या जबरदस्ती इस्लाम में धर्म परिवर्तन परिवर्तित कर दिया जाएगा, या उसे मार दिया जाएगा। बाद में खबर आई कि मायरा का जबरन धर्म परिवर्तन करवा कर निकाह करा दिया गया है। मानवाधिकार संस्था मूवमेंट फॉर सॉलिडैरिटी एंड पीस (एमएसपी) के अनुसार, पाकिस्तान में हर साल 1000 से ज्यादा ईसाई और हिंदू महिलाओं या लड़कियों का अपहरण किया जाता है। जिसके बाद उनका धर्म परिवर्तन करवा कर इस्लामिक रीति रिवाज से निकाह करवा दिया जाता है। पीड़ितों में ज्यादातर की उम्र 12 साल से 25 साल के बीच में होती है।

केरल हाईकोर्ट ने आरोग्यसेतु की अनिवार्यता पर रोक लगाने से किया इनकार

कोच्चि (ईएमएस)। केरल उच्च न्यायालय ने कोरोना संकट के बीच काम पर लौटने वाले सभी सरकारी और निजी कर्मचारियों के लिए आरोग्य सेतु ऐप के इस्तेमाल को अनिवार्य करने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर कोई अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति अनु शिवरामन और न्यायमूर्ति एमआर अनीथा की पीठ ने कहा कि असाधारण परिस्थितियां अतिरिक्त–साधारण उपायों को जन्म देती हैं। हम अभी एक असाधारण परिस्थितियों में हैऔर जल्द ही वापस सामान्य परिस्थितियों में आ जाएंगे। कोर्ट ने मामले की सुनावई को 18 मई तक के लिए टाल दिया है।

अदालत ने आवेदन की गोपनीयता सुरक्षा उपायों पर केंद्र सरकार से एक बयान भी मांगा और केंद्र से पूछा कि क्या यह गारंटी दे सकता है कि उपयोगकर्ताओं की जानकारी का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा। इसपर केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि वे रिकॉर्ड पर एक बयान देंगे। वकील ने कहा कि एक गोपनीयता प्रोटोकॉल विकसित किया गया है। आरोग्य सेतु ऐप को अभी कोरोना वायरस से लड़ने वाले दुनिया के सबसे अच्छे ऐप के रूप में मान्यता दी गई है। लगभग 130 कोविड–19 हॉटस्पॉट की पहचान की गई है। हर दिन लाखों लोग ऐप डाउनलोड कर रहे हैं।

बता दें कि त्रिशूर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव जॉन डैनियल द्वारा अधिवक्ताओं श्रीराम परक्कत, केएस श्रीपति और अनुपमा सुब्रमण्यन के माध्यम से याचिका दायर की गई थी। जिसमें कोर्ट से मांग की गई थी कि केंद्र सरकार के निर्देश को असंवैधानिक करार दिया जाए और अधिकारियों को इसे लागू से रोकने का निर्देश दिया जाए। दलील में कहा गया है कि आरोग्य सेतु व्यक्ति से संबंधित सूचना के उपयोग के बारे में निर्णय लेने और उसे नियंत्रित करने का अधिकार छीन लेता है। केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी से लड़ने के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी और प्राइवेट सभी कर्मचारियों के लिए आरोग्य सेतु एप का उपयोग अनिवार्य कर दिया है।

जैश ने तालिबान के साथ मिलाया हाथ नए आतंकी गठजोड़ से उड़ी खुफिया एजेंसियों की नींद

काबुल(ईएमएस)। जम्मू–कश्मीर को आए दिन निशाना बनाने वाला आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद ने अफगानिस्तान तक अपनी पकड़ बढ़ा ली है। हाल में मिली खुफिया जानकारी के अनुसार, जैश के लड़ाके तालिबान और अलकायदा के साथ मिलकर अफगानिस्तान के पूर्वी क्षेत्र में अफगान सुरक्षाबलों के खिलाफ लड़ रहे हैं। जैश के हालिया विस्तार से भारतीय खुफिया एजेंसियां भी हरकत में आ गई हैं। अलकायदा और तालिबान की मदद के बदल जैश खुद को भारतीय सीमा पर मजबूत कर सकता है। बता दें कि इन तीनों आतंकी संगठनों को वित्तपोषण पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी करती है। ऐसे में जैश अपने संगठन के लिए और अधिक धन और हथियारों की मांग कर सकता है।

अमेरिका–तालिबान शांति समझौते का असर

अमेरिका और तालिबान के बीच फरवरी में हुए शांति समझौते के बाद से ही अफगानिस्तान में तालिबान ने अपनी लड़ाई तेज कर दी है। देश के अधिकतर हिस्सों में कब्जा जमाने के लिए तालिबान ने जैश ए मोहम्मद से भी हाथ मिलाया है। हाल में ही अफगान सुरक्षा बलों ने गश्त के दौरान कई विदेशी आतंकियों को गिरफ्तार किया था, जिनसे पूछताछ में इस गठजोड़ का पता लगा।

पाकिस्तान दे रहा ट्रेनिंग और हथियार

इन आतंकी समूहों को पैसे और हथियार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी और पाक सेना से मिल रहा है। गिरफ्तार आतंकियों ने कबूल किया कि उन्हें पाकिस्तानी सेना का पूरा समर्थन हासिल है। इन आतंकियों की ट्रेनिंग पाकिस्तान में बने सेना के कैंप में दी जाती है जिसके बाद इनकी तैनाती आतंकी मंसूबों को पूरा करने के लिए किया जाता है।

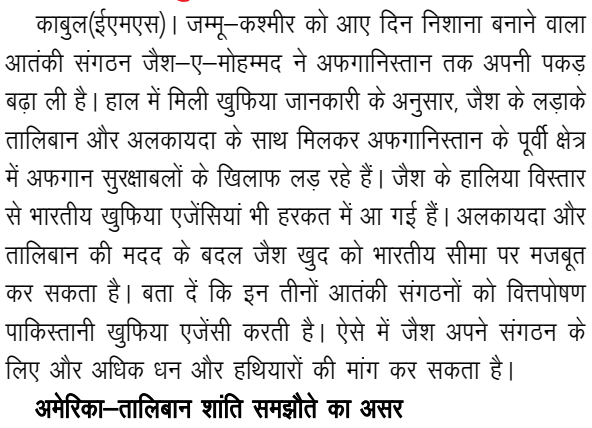

अफगानिस्तान के पूर्वी क्षेत्र में लड़ाई जारी

अफगान सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि तालिबान ने देश के पूर्वी क्षेत्रों में विशेष रूप से नंगरहार, कुनार और नूरिस्तान प्रांतों में सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य गतिविधि को तेज दिया है। तालिबान के साथ अल कायदा और पाकिस्तान स्थित जैश–ए–मोहम्मद के लड़ाके भी अफगान सुरक्षा बलों से लड़ रहे हैं।

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। कोरोन वायरस संक्रमण के बाद यह पहला प्रदर्शन था।

अमेरिका और विश्व के तमाम नेताओं को कोरोना के फिर लौटने की आशंका

ह्यूस्टन (ईएमएस)। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को कोरोना प्रकोप के जल्द फिर से लौटने की आशंका है लेकिन उन्होंने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा है। पूरी दुनिया में वायरस के प्रकोप के बीच संतुलन बिठाने की कोशिश की जा रही है जहां वैश्विक नेता लॉकडाउन में छूट देने के साथ ही संक्रमण के दूसरे दौर के प्रति भी आगाह कर रहे हैं। राजकोषीय मंत्री स्टीवन मनूशिन ने अनुमान जताया है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था दूसरी छमाही में बेरोजगारी दर को कम कर मंदी से उबर जाएगी। पिछले हफ्ते और 32 लाख लोगों ने बेरोजगारी भत्तों के लिए आवेदन किया था इससे पिछले सात हफ्तों में इसतरह के लोगों की कुल संख्या 3.35 करोड़ हो गई है।

मनूशिन ने कहा,मेरे विचार उछाल देखने को मिल सकता है। लेकिन व्हाइट हाउस समर्थित कोरोना वायरस प्रतिमान तैयार करने वाले वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के एक संस्थान के निदेशक ने कहा है कि कारोबारों को फिर से खोलने की कार्रवाई के 10 दिनों के भीतर ज्यादा मौतें और मामले सामने आ सकते हैं।जानकार डॉ क्रिस्टोफर मुर्रे ने कहा कि जहां मामले और मौत अनुमान से ज्यादा हो रहे हैं उनमें इलिनोइस, एरिजोना और कैलिफोर्निया शामिल हैं। जोखिम अब भी खत्म नहीं हुआ है, इसकी याद दिलाते हुए पेंस ने यह कदम तब उठाया है जब व्हाइट हाउस के कोरोना वायरस कार्यबल के तीन सदस्य संक्रमित सहयोगी के साथ संपर्क में आने के बाद पृथक–वास में चले गए थे।

ब्रिटेन में, प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने देश में कोरोना वायरस के चलते लागू लॉकडाउन को धीरे–धीरे खोलने की घोषणा की है लेकिन नागरिकों से अब तक हुई प्रगति पर पानी नहीं फेरने की अपील भी की है।

उन्होंने कहा कि जो ऐसी नौकरी में हैं जो घर से नहीं की जा सकती उन्हें इस हफ्ते से ''काम पर लौटने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

पीएम मोदी मुसीबत में भी डालते हैं, माफी भी मांगते हैं यानी चित भी मेरी–पट भी मेरीः सोरेन

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रात 8 बजे देश को संबोधित करेंगे। सबके मन में सवाल है कि क्या आज लॉकडाउन के चौथे चरण का ऐलान होगा? हमने जब यह सवाल झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछा तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पीएम मोदी मुसीबत में भी डालते हैं, माफी भी मांगते हैं यानी चित भी मेरी–पट भी मेरी।

एक टीवी चैनल के साथ बातचीत में सीएम हेमंत सोरेन से जब पीएम नरेंद्र मोदी के ऐलान से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने (हेमंत सोरेन) ने कहा, 'यह तो चित भी मेरी, पट भी मे. री। मुसीबत में भी डालें, माफी भी मांगें। आज जो नदी की प्रवाह बदल गई है। मजदूर कितने हताश हैं। जिस पीड़ा से मेरे प्रदेश के लोग गुजर रहे हैं, वो यहां के प्रवासी ही बता सकते हैं।'

दरअसल, मजदूरों के पलायन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से माफी मांगी थी।

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा था कि कुछ ऐसे निर्णय लेने पड़े हैं, जिसकी वजह से आपको कठिनाईयां उठानी पड़ रही हैं। मैं आपकी दिक्कत और परेशानी समझता हूं, लेकिन आपकी जान बचाने के लिए कठोर कदम उठाने पड़े। आजतक से खास बातचीत में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि खनिज संपदाओं से भरपूर से यह राज्य है। रेलवे को सबसे अधिक रेवन्यू हम देते हैं। इस राज्य के मजदूरों को घर वापस आने के लिए रेलवे टिकट देने पड़े। इससे बड़ा दुर्भाग्य कुछ नहीं हो सकता है। हमारे पास इतने संसाधन नहीं हैं कि मैं जाकर लोगों को ले आऊं।

सीएम हेमंत सोरेने कहा कि हमने झारखंड में अभी तक कोई ढील नहीं दी है। अभी तक पूर्ण रूप से राज्य में लॉकडाउन है। रमजान के समय में लॉकडाउन खोलने से लोग अचानक बाहर निकलेंगे। स्थिति और खराब हो सकती है। अभी हमने लॉकडाउन नहीं खोला है।

17 मई को पीएम मोदी का निर्णय होगा। वह हमारे कैप्टन हैं और उनका निर्णय आखिरी होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पत्रकारिता में आजादी कब ?

दुनिया में पत्रकार व पत्रकारिता के बदले स्वरूप में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता असंभव

वर्तमान परिदृश्यों में देश दुनिया में पत्रकारिता को स्वतंत्रता दिवस के रूप में देखना या सोचना क्यों असत्य सा प्रतीत होता है। यकीनन पत्रकारिता के मापदण्ड पूर्व युगीन पत्रकारों के त्याग और बलिदान पर पानी फेर रहा है। वैसे अभी भी बहुत से देश है जहाँ पर पत्रकारिता में स्वतंत्रता नहीं है फिर भी गुलामी के दिनों में बिना आजादी मिले मनाये जाने वाले स्वतंत्रता दिवस की तरह ही अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता प्रत्येक वर्ष तीन मई को मनाया जाता है। वर्ष 1991 में यूनेस्को और संयुक्त राष्ट्र के जन सूचना विभाग ने मिलकर इसे मनाने का निर्णय किया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी 3 मई को अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस की घोषणा की थी। यूनेस्को महासम्मेलन के 26वें सत्र में 1993 में इससे संबंधित प्रस्ताव को स्वीकार किया गया था। इस दिन के मनाने का उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के विभिन्न प्रकार के उल्लघंनों की गंभीरता के बारे में जानकारी देना है।

सूचना को समुचित और स्पष्ट तरीके से उचित शब्दों के द्वारा जनता की शब्दावली में ही बिना विरूपित किये प्रस्तुतीकरण ही समृद्ध पत्रकारिता है। चंद विकसित देश ही हर तरह की सूचना का प्रसार जनता में बेरोक टोक साझा करते है। ऐसे देशों के नागरिकों में बौद्धिक स्तरीय ज्ञान भी है। वैसे तो संयुक्त राष्ट्र महासभा और यूनेस्को भी सभी देश दुनिया में पत्रकारों के हक की रक्षा नहीं कर पा रहा है तो हम पत्रकारिता स्वतंत्रता दिवस खुश हो कर तो नहीं मना सकते है? नख शिख दंत रहीत केशरी की जैसे इन महासंगठनों को मालूम है कि दुनिया में अभी भी बर्बर युग है तो पत्रकारों को न्याय और सुरक्षा नहीं मिल सकती है। अब जब दुनिया में पत्रकारिता करना जोखिम भरा हो गया और किसी प्रकार की कोई सहायता नहीं मिलती। फिर इस दिन का औचित्य समाप्त सा प्रतीत होता है।

दुनिया को रहने देते हैं। क्या वाकई भारत का पत्रकार स्वतंत्र है? जब एक श्रमजीवी पत्रकार अपने संस्थान से लेखन का दाम अथवा ज्ञान सहयोग पर तय मानदेय तक नहीं ले पाता है तो क्या वाकई हम स्वत्रंत पत्रकारिता कर रहे है। वेतनमान और सुरक्षा का पालन देश की सरकार और न्यायालय नहीं कर पाये है।

फिर क्या यह रद्दी होने वाले कागज को अखबार के नाम से लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ माना जाऐ।

पत्रकारिता के नाम पर विज्ञापन मानकों की पूर्ति वास्ते कट और पेस्ट करके कमतर आठ पन्ने भरना व पच्चीस फीसदी खपत के अखबारी कागज के बिल पर चार्टड एकाउटेंन्ट की अधिक प्रसार का झूठा प्रमाण पत्र जमा दे कर इस छपे रंगीन कागज को अखबार के नाम से सूचना व जन संपर्क कार्यालय में जमा कर विज्ञापन सूची में शामिल कराना और फिर विज्ञापनदाता विभागों में बाबूगिरी जमात से जुगाड़ कर कमाना ही पत्रकारिता रह गयी है। खबरें लिखने वाले पत्रकार नदारद और नियम नीति पर विचार विमर्श करने वाला बुद्धि जीवी वर्ग तो कहीं खो गया।

कोराना से भी अधिक संक्रमित करने वाला दीमक कीड़ा जैसा भ्रष्टाचार पहले ही पूरे देश व राज्य यहां तक की जिले के प्रशासन और जनप्रतिनिधि नेताओं के जमीर और जनहिताय भाव को चाट चुका है। जन संसाधनों पर यही काबिज हैं।

उदर पूर्ति के लिए संघर्षरत कलमकार तो इतने कमजोर हो गए है जो देश की जनता के लिए चौकन्ने रह कर उनके हक के लिए लड़ते की जगह चारों कोनों में चित है।

देश दुनिया की सभी न्याय पालिका, संगठन, सरकारों हरदम विपरीत परिस्थितियों में कर्म करते सुरक्षा प्रदान की हिम्मत नहीं उठाई? पत्रकार को किसी पुरस्कार का हकदार नहीं माना जाता चाहे कर्तव्य में जान ही क्यों ना गवां दे। उसकी कार्यशैली पर जीतेजी अथवा मरणोपरांत सहायता या पुरस्कार देना न्यायचित नहीं लगता वहीं चाटूर है तो राज्यसभा तक नवाजा गया है।

परन्तु आज हमारे लिए इस परिदृश्य में पत्रकार मजबूर और लाचार हो चुका है अपनी स्वतंत्रता और सुरक्षा को लेकर वही देश दुनिया मे मौजूद संगठन साथ महज दिखावा बन के रह गयी है। यह कब तक रहेगा कौन जाने मगर यह सत्य है कि हर युग में अपने पेशे से निष्ठावान लोग हुए हैं जिन्होंने जनता को जगाया और सत्ता को झुकाया है। दुनिया के जिन भागों में पत्रकारिता को समाज ने अंगीकार किया है वो उन पूर्ववर्ती पत्रकारों के गुणों के कारण ही है। इस विश्वास को मूर्त रूप देने के लिए पत्रकार बंधुओं को आहवान के साथ इस दिवस की शुभकामनाऐं।

(विचार–मंथन)

राजा को सडक पर लाकर, लड़ेंगे महाराजा चुनाव

चुनाव आयोग ने 24 सीटों के उपचुनाव के लिए तैयारियां शुरु कर दी हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश की सियासत में सक्रियता बढ़ गई है। सिंधिया समर्थक जिन विधायकों ने इस्तीफा दिए हैं। उसमें लगभग 18 सीटें ग्वालियर और चंबल संभाग की हैं। यहां पर उप चुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपना वर्चस्व बनाने और दिखाने की चुनौती है। पूर्व मुख्यमंत्री राजा दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस की राजनीति में ज्योतिदित्य सिंधिया को अलग–थलग करने के लिए हर संभव प्रयास किया था। विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में वह पर्दे के पीछे रहकर समन्वय बनाने के नाम पर जो षड्यंत्र रच रहे थे। उसका जवाब देने की अब ज्योतिरादित्य सिंधिया रणनीति बना रहे हैं। उसमें राजा दिग्विजय सिंह को भी उप चुनाव में सड़कों पर उतरकर सामने आना होगा। दि. ग्विजय सिंह चुनाव मैदान में सामने होंगे, तो सिंधिया और भाजपा के लिए जीत ज्यादा आसान होगी।

आर पार की लड़ाई लड़ेंगे सिंधिया

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जिस तरह से मध्य प्रदेश एवं केंद्र की राजनीति में ज्योतिरादित्य सिंधिया को नेपथ्य में डालने का प्रयास किया था। उससे सिंधिया काफी नाराज हैं। उन्हें अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामना पड़ा। सिंधिया परिवार के लिए यह अस्तित्व की लड़ाई है। राजमाता सिंधिया ने भी तत्कालीन मुख्यमंत्री डीपी मिश्रा से नाराज होकर कांग्रेस की सरकार 1967 में गिराई थी। माधवराव सिंधिया का अपमान जब तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव ने किया तब उन्होंने भी कांग्रेस पार्टी छोड़कर नई पार्टी बना ली थी। माधवराव की पार्टी को चुनाव में मप्र में कोई सफलता नहीं मिली। सोनिया गांधी द्वारा उन्हें वापस कांग्रेस में ले लिया गया था। सिंधिया परिवार के ज्योतिरादित्य सिंधिया तीसरे व्यक्ति हैं। जिन्हें सड़क में उतरने की बात कहकर सिंधिया खानदान को, जो चुनौती दी गई है। अब यह उनके लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई है। कांग्रेस छोड़कर अब वह सिंधिया खानदान के प्रतिष्ठा और राजनैतिक भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं।

सिंधिया को सांसद रहते भोपाल में नहीं मिला आवास

मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बन जाने के बाद भी ज्योतिरादित्य सिंधिया को आवास आवंटित नहीं किया गया। यह भी उनके लिए एक प्रतिष्ठा का प्रश्न था। मंत्रिमंडल के गठन से लेकर उसके बाद, जिस तरह से उनके कोटे के मंत्रियों को उपेक्षित करके रखा गया था। सिंधिया से भी कोई राय नहीं ली जा रही थी। दिग्विजय सिंह के कहने पर सारे काम मुख्यमंत्री के रूप में कमलनाथ कर रहे थे। ऐसी स्थिति में ज्योतिरादित्य सिंधिया को नेपथ्य में डालने की जो राजनीति दिग्विजय सिंह कर रहे थे। अस्तित्व को बचाए रखने के लिए, ज्योतिरादित्य सिंधिया को कांग्रेस छोडने को विवश होना पडा। अब भाजपा में वह अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए इस उपचुनाव में अपनी सारी ताकत लगाएंगे। उन्हें कम से कम 18 से 20 सीटें उपचुनाव में जितवाना होंगी। तभी उनकी भाजपा में पकड़ मजबूत और भविष्य सुरक्षित होगा।

सिंधिया के कारण ग्वालियर चंबल संभाग में भाजपा को मिलती थी चुनौती

ग्वालियर चंबल संभाग में माधवराव सिंधिया, उसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया के रहते हुए भाजपा यहां पर वर्चस्व नहीं बना पाई। भाजपा यहां पर राजमाता के होते हुए एकाधिकार कायम करना चाहती थी, वह कभी नहीं हो पाया। एक सुनियोजित रणनीति के तहत भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को भाजपा में प्रवेश दिया है। ज्योतिरादित्य सिंधिया के ऊपर यह जिम्मेदारी होगी कि वह अपनी लोकप्रियता से उपचुनाव में ग्वालियर चंबल संभाग की सभी सीटों के चुनाव पुनः जितायें। सिंधिया इसमें सफल होंगे तभी उनकी भाजपा में स्थिति मजबूत होगी। यदि उनके आने के बाद भी उपचुनाव में वह अपने सभी समर्थकों को जिताकर नहीं ला पाए, तो यह उनकी लोकप्रियता और उनके प्रभाव में कमी मानी जाएगी। ऐसी स्थिति में ज्योतिरादित्य सिंधिया को भाजपा के अंदर से चुनौतियां मिलना शुरू हो जाएंगी। जिसके कारण सिंधिया के लिए यह अस्तित्व की लड़ाई बन गई है।

सिंधिया और भाजपा आश्वस्त

मध्यप्रदेश में जिन 24 सीटों पर उप चुनाव होने जा रहे हैं। वहां पर कांग्रेस के कार्यकर्ता बडी संख्या में संगठन से नाराज हैं। ग्वालियर चंबल संभाग के कई जिलों में ऐसे कोई नेता नहीं है, जो सिंधिया या भाजपा का मुकाबला कर पाए। भाजपा में इस बात की चर्चा है कि विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस के पास ना तो कार्यकर्ता हैं और ना ही उपयुक्त उम्मीदवार है। कांग्रेस के पास पर्याप्त संसाधन भी नहीं हैं। कांग्रेस के पास ऐसे कोई नेता भी नहीं है, जो ज्योतिरादित्य सिंधिया की लोकप्रियता और उनकी भाषण शैली में उनके सामने टिक पाए। सिंधिया का प्रभाव एवं लोकप्रियता कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं में भी बनी हुई है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस का चुनाव प्रचार करने के लिए कमलनाथ–दिग्विजय सिंह के अलावा कोई ऐसा चेहरा नहीं है। जो स्टार प्रचारक के रूप में मतदाताओं को प्रभावित कर सके। इसको लेकर भाजपा और सिंधिया काफी आश्वस्त हैं कि भाजपा उपचुनाव में लगभग 20 सीटें आसानी से जीत लेगी।

कमलनाथ की प्रतिष्ठा उपचुनाव में दांव पर लगेगी

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ की प्रतिष्ठा भी इस उपचुनाव में दांव पर लगी होगी। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की छवि आम जनता के बीच में अच्छी नहीं मानी जाती है। 2003 से लेकर 2018 तक के चुनाव प्रचार में कांग्रेस ने दिग्विजय सिंह को चुनाव मैदान में नहीं उतारा। भाजपा ने सुनियोजित रुप से दिग्विजय सिंह की छवि जनता के बीच बंटाधार के रुप में बना रखी है। जिसके कारण उन्हें 2018 के चुनाव में पर्दे के पीछे से समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वर्तमान में जो स्थिति है, उसमें सारे प्रदेश में यह संदेश गया है कि सही मायने में सत्ता पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का नियंत्रण था। चीफ सेक्रेटरी, डीजी और प्रमुख पदों पर जो अफसर बैठे थे। वह सब दिग्विजय सिंह के भरोसेमंद अधिकारी थे। दिग्विजय सिंह ने सुनियोजित रणनीति के तहत कमलनाथ को इन अधिकारियों के चंगुल में फंसाकर मंत्रालय में बैठक करने और योजनाएं बनाने के काम में लगाकर कैद कर दिया था। अब 24 सीटों पर उपचुनाव होना है। मुख्यमंत्री रहते हुए कमलनाथ ने आम जनता के बीच जाकर दौरे नहीं किए। जनता के साथ मुख्यमंत्री के रूप में कम संवाद हुआ है। मीडिया में भी कमलनाथ कम आए हैं। सिंधिया के जाने से संगठन भी बहुत कमजोर हो गया है। मुख्यमंत्री और संगठन की दोनों जिम्मेदारी कमलनाथ के पास है। ऐसी स्थिति में अब उप चुनाव में जीत या हार का जो भी परिणाम होगा, उसका सेहरा कमलनाथ के सिर पर ही बंधेगा।

(विचार–मनन)

श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा– एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा– ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला– हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही–सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला– महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया–गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा– चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा– किस

किया– अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा–अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है।

कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले– पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि तरह की सहायता? महर्षि बोले–तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा– धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

आज का इतिहास 13 मई

1503 स्पेनी फौजे फ्रांसिसियों को पराजित कर नेपल्स पहुंची.

1648 दिल्ली का लाल किला बनकर पूरा हुआ.

1809 फ्रांस ने विएना पर कब्जा किया.

1830 इक्वाडोर गणराज्य बना.

1888 ब्राजील की संसद ने दास प्रथा समाप्त करने का प्रस्ताव पारित किया.

1968 अमरीका और उत्तर वियतनाम के बीच शांति वार्ता पेरिस में शुरु हुई.

1969 मलेशिया में दंगो में एक सौ से अधिक लोग मारे गए.

1972 ओसाका, जापान में नाइट क्लब में लगी आग से 116 लोगों की मृत्यु.

1992 अमरीकी अंतरिक्ष शटल इंडेवर के तीन अंतरिक्ष यात्री ने अंतरिक्ष में तैरकर इनसैट–6 की मरम्मत की.

1993 एजर बिजमेन ने इजरायल के राष्ट्रपति पद की शपथ ली.

1996 बंगलादेश में समुद्री तूफान से छह सौ से अधिक लोग मारे गए.

1999 पेरू और इक्वाडोर का सीमा विवाद हल हुआ.

1998 अंतरराष्ट्रीय दबाव के समक्ष न झुकते हुए भारत ने दो और परमाणु विस्फोट किये. परीक्षण अब प्रयोगशाला में संभव. अमेरिका ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाये.

2001 प्रसिद्ध उपन्यासकार आर. के.नारायण का निधन.

2005 केंद्र सरकार ने फूकन आयोग की रिपोर्ट खारिज की.

लॉकिंग ज़ोन

दो अमीर गप्पी रास्ते में मिले।

पहला बोला, "राय साहब कैसे हो?"

दूसरा, "यूं ही कुछ जुकाम हो गया था।"

पहला, "हाय, कैसे?"

दूसरा, "मूली के पत्ते पर पैर पड़ गया था।"

पहला, "हाय! कैसे जाहिल लोग हैं जो मूली के पत्ते जैसी ठंडी चीज खुले में डाल देते हैं। मुझे तो सुन कर ही..... आक छीः....।"

☺ ☺ ☺

शिक्षक, "सावधानी और कायरता के बीच क्या फर्क है।"

राजू, "जब हम डर जाते हैं तो उसे सावधानी कहा जाता है, जब सामने वाला डर जाता है तो उसे कायरता कहते हैं।"

☺ ☺ ☺

डॉक्टर (लड़के से), "किस के लिए चश्मा बनवाना चाहते हो।"

लड़का (डॉक्टर से), "जी मास्टरजी के लिए।"

डॉक्टर, "क्यों।"

लड़का, "उन्हें मैं गधा दिखाई देता हूं।"

☺ ☺ ☺

मां (बेटे से), "जो बच्चे रोज स्कूल जाते हैं वे अच्छे आदमी बनते हैं।"

बेटा, "मगर मास्टर जी मुझे रोज मुर्गा बना देते हैं।"

प्रसंगतः अंतिम दीक्षा

एक बार महर्षि व्यास ने अपने पुत्र शुक को अंतिम दीक्षा के लिए राजा जनक के पास भेजा। शुक आए और राजभवन के द्वार पर निर्विकार भाव से खड़े हो गए। काफी देर बाद एक व्यक्ति ने एक आसन रख दिया। शुक उस पर बैठ गए। दो दिन तक बाहर ही बैठे रहे। किसी ने उनसे यह तक नहीं पूछा कि किससे मिलना है, क्या काम है। पर शुक इत्मीनान से बैठे रहे। तीसरे दिन एक मंत्री आया और उन्हें राजभवन के अंदर ले गया। वहां भी उन्हें कई दिनों तक अकेले रहना पड़ा। वहां उन्हें सभी राजसी सुख-सुविधाएं दी गईं तब भी उनके व्यवहार में कोई अंतर दिखाई नहीं दिया। जैसे पहले थे वैसे अब भी थे। अंत में एक मंत्री उन्हें राजा जनक के पास ले गया। जनक ने उन्हें पानी से लबालब एक कलश देते हुए कहा, 'इसे लेकर राजभवन के सात चक्कर लगाओ। ध्यान रखना कि एक बूंद भी छलकने न पाए।' शुक ने कलश लेकर राजभवन का चक्कर लगाया, फिर जनक के पास जाकर कहा, 'महाराज, आप के आदेशानुसार एक बूंद भी पानी नहीं छलका।' उनके चेहरे पर संतोष का भाव दिखाई दिया। जनक ने कलश लेते हुए कहा, 'बेटा, व्यास मुनि ने जिस दीक्षा के लिए तुम्हें भेजा है, वह पूरा हो गया है। तुम्हें अब और ज्ञान की आवश्यकता नहीं है।' शुक ने कहा, 'पर मैंने तो ऐसा कुछ किया ही नहीं जिससे आपको मेरा आकलन करने का अवसर मिलता।' जनक ने कहा, 'मैं एक सप्ताह से तुम्हारी परीक्षा ही ले रहा था। मैंने देखा कि दुख और सुख दोनों दशा में तुम्हारे अंदर किसी तरह का भाव उत्पन्न नहीं हुआ। तुमने अपने व्यवहार से सिद्ध कर दिया कि मोह-माया, क्रोध, लोभ, अहंकार और सुख-दुख आदि सभी विकारों पर तुमने विजय प्राप्त कर ली है। मन की एकाग्रता ही अंतिम दीक्षा है। मुझे विश्वास है कि तुम भी अपने पिता की तरह समाज की सेवा अच्छी तरह तरह करोगे।'

दैनिक पंचांग

13 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	5.29 बजे से
चंद्र	मकर में	मिथुन	7.27 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	9.40 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.56 बजे से
गुरु	मकर में	कन्या	14.08 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.19 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	18.34 ब.से
राहु	मिथुन में	धनु	20.50 बजे से
केतु	धनु में	मकर	22.55 बजे से
राहुकाल		कुंभ	00.41 बजे से
12.00 से 1.30		मीन	2.14 बजे से
बजे तक		मेष	3.45 बजे से

बुधवार 2020 वर्ष का 134 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077 **शक संवत्** 1942
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी 6.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण अहोरात्र।
योग शुक्ल (शुक्र) 01.11 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 6.00 बजे तदनन्तर विष्टि 18.20 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 27'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870517
जूलियन दिन 2458982.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान **तारीख** 19

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का कार्टून।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अफसर ने बस पर चढ़ रहे श्रमिक को मारी लात

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ में राजस्व अधिकारी महाराष्ट्र से लौटे श्रमिक को लात मरते पाए गए हैं। दरअसल, अभद्रता का यह विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि जिलाधिकारी डॉ रुपेश कुमार ने ट्वीट कर अधिकारी को चेतावनी देने की बात कही है।

दरअसल महराष्ट्र से स्पेशल ट्रेन के जरिए श्रमिक यहां पहुंचे थे। बस में श्रमिकों के चढ़ने के दौरान एक श्रमिक लाइन से थोडा हट गया, इस पर वहां मौजूद मुख्य राजस्व अधिकारी श्रीराम यादव ने लात मार दी। अफसर की इस करतूत के वीडियो वायरल होने के बाद डीएम ने ट्वीट कर सफाई पेश की। डीएम ने कहा कि अफसर को चेतावनी दी गई है। साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे श्रमिकों से मर्यादापूर्ण व्यवहार करें।

बता दें कि सोमवार शाम को सात बजे के करीब स्पेशल ट्रेन से मुंबई से सैकड़ों मजदूर पहुंचे थे, जिसके बाद बस पर चढ़ने के दौरान अफसर ने एक श्रमिक को लात मारी थी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार अपनी टीम 11 के साथ बैठक में इस बात का जिक्र कर रहे हैं कि वापस लौट रहे मजदूरों के साथ अधिकारी सम्मान से पेश आते हुए उनकी जांच, खाने–पीनी की व्यवस्था के साथ ही घर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए।

भाजपा विधायक बोले, कोरोना बना भ्रष्टाचार का जरिया

बहराइच (ईएमएस)। जिले की महसी विधानसभा सीट से सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुरेष्वर सिंह ने आरोप लगाया है कि जिले में कोरोना महामारी को सरकारी तंत्र ने भ्रष्टाचार का जरिया बना लिया है। बीती रात से सोशल मीडिया पर भाजपा विधायक का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें भाजपा विधायक बाहर से आए मजदूरों की समस्याओं को लेकर बहराइच के नगर मजिस्ट्रेट पर जनता के सामने आरोपों की बारिष कर रहे हैं।

वीडियो में विधायक कह रहे हैं कि बाहर से आए मजदूरों की ना तो स्क्रीनिंग हो रही है, ना उन्हें खाना मिल रहा है, ना वाहन और ना ही सरकार द्वारा दी जाने वाली राशन किट ही मिल रही है। वह यह कहते दिख रहे हैं कि किसी दुकानदार ने शटर खोल दिया तो घंटाघर का चैकी इंचार्ज किसी से दो हजार किसी से तीन तो किसी से पांच हजार ले ले रहा है। कोरोना जैसे लूट का जरिया बन गया है। जरवल रोड पर यदि सिपाही या चैकी इंचार्ज किसी मजदूरों से भरे ट्रक या डीसीएम को रोकता है तो एसओ उसे डांट कर आगे भेजने को कह देते हैं। और तो और उसी गाड़ी में वहां खड़े अन्य मजदूरों को भर कर सोशल डिस्टेंसिंग की और ज्यादा ऐसी की तैसी कर रहे हैं।

वायरल वीडियो के बावत विधायक सुरेश्वर सिंह ने मंगलवार को बताया कि सोमवार देर रात उन्होंने पंजाब व महाराष्ट्र से आए कुछ मजदूरों के एक जत्थे के लोगों से बात की तो मालूम हुआ कि उनकी ना तो स्क्रीनिंग हुई, ना वाहन, ना खाना दिया गया, न ही उन्हें राशन किट दी गयी।

लॉकडाउन में सूरत में फंसे पति से मोबाइल पर बात करने बाद लगायी आग

कुशीनगर (ईएमएस)। जिले के पटहेरवा थाना क्षेत्र के पटहेरवा खास गांव में मंगलवार को एक विवाहिता ने पति से मोबाइल पर बात करने के बाद अचानक इतने आक्रोश में आई कि अपनी शरीर पर मिट्टी का तेल छिड़क कर आग लगा ली। देखते ही देखते उसके शरीर का अधिकांश भाग जल गया। मौके पर पहुंची पुलिस उसे सीएचसी फाजिलनगर ले गयी। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक पटहेरवा खास गांव निवासी सुमिरन कुशवाहा रोजी रोटी चलाने के लिए गुजरात के सूरत में किसी कंपनी में काम करता है। मौजूदा समय में वह लॉकडाउन में सूरत में ही फंसा हुआ है। मंगलवार को जब सुमिरन के मां और पिता गांव के बाहर खेत में काम करने गए थे उसी समय उसकी पत्नी मनीषा देवी (23) मोबाइल से सुमिरन कुशवाहा से बातचीत कर रही थी। घर पर सुमिरन की मानसिक रूप से बीमार बहन ही घर पर थी। पति से बातचीत करने के बाद मनीषा अचानक अपने कमरे में रखे मिट्टी का तेल शरीर पर छिड़क कर आग लगा ली। घर से आग लपट देख पड़ोसी पहुंचे तो मनीषा बुरी तरह जल कर तड़प रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सीएचसी फाजिलनगर पहुंचाया।

गुजरात से लौटे दो मजदूर मिले कोरोना संक्रमित

हरदोई (ईएमएस)। जिले मे दो लोगो के टेस्ट कोरोना पॉजिटिव आये है यह दोनो शाहाबाद कोतवाली छेत्र के रहने वाले है और गुजरात की एक स्टील फैक्ट्री में काम करते थे। शाहाबाद कस्बे के मोहल्ला सैदीखेल के रहने वाले दो युवकों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है यह गुजरात की स्टील फैक्ट्री में काम करते थे और कुछ समय पहले ही अपने घर शाहाबाद लौटे थे। इन्हें कोविड अस्पताल में भेज दिया गया है। अभी तक जिले में कुल छह कोरोना पॉजिटिव मामलों की पुष्टि हुई है जिसमे से दो ठीक हो चुके है और चार अभी भी एक्टिव केसेस हैं। अपर जिलाधिकारी संजय सिंह ने बताया कि सोमवार को दो लोगो की कोरोना पॉजिटिव पुस्टि कन्नौज से हुई थी यह हरदोई के रहने वाले थे यह कन्नौज में जांच कराकर हरदोई आ गए थे, वही दो और लोग जो गुजरात से आए थे उनके भी सैम्पल भेजे गए थे दोनो की कॅरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है।

आगरा में एक मासूम से दुष्कर्म के बाद की हत्या

आगरा । उत्तर प्रदेश के आगरा में शौच के लिए गयी एक मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के बाद हत्या करने का मामला सामने आया है। बताया गया कि बच्ची शौच के लिए घर से खेतों की तरफ गयी थी। मगर, वहां से वापस लौट कर नहीं आयी। इसके बाद परिवार वाले उसकी तलाश में जुट गये। तलाश के काफी देर बाद देखा तो बच्ची का शव झाड़ियों में पड़ा मिला। इसके बाद ग्रामीणों ने इलाकाई पुलिस को इस बारे में पुलिस को सूचना दी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आगरा के एसएसपी बबलू कुमार ने बताया

कि बच्ची के साथ बहुत ही दरिंदगी से रेप के बाद हत्या की गई है। उसका शव भी क्षत–विक्षत हालत में था। फिलहाल बच्ची के शव को कब्जे में ले लिया है और एसपी ग्रामीण के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया है। टीम इस संगीन मामले की गहराई से जांच करेगी और इस वारदात को अंजाम देने वाले किसी को भी नहीं बख्शा जायेगा। वहीं, फतेहगढ़ कोतवाली के नगलादीना मोहल्ले में घर के अंदर देवर ने भाभी को फावड़े से काटकर हत्या कर दी। इस वारदात को अंजाम देकर देवर मौके से फरार हो गया। फिलहाल देवर के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इसकी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी देवर की तलाश में छापेमारी कर रही है।

तपती दोपहर में एक मां अपने नवजात शिशु को छोड़कर हुई फरार

बांदा (ईएमएस)। बांदा में एक मां अपने नवजात शिशु को एक सुनसान इलाके में फेंक कर फरार हो गई। इसी बीच वहां से गुजर रहे ग्रामीणों की नजर नवजात बच्चे पर पड़ी तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने नवजात शिशु को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत अब स्वस्थ बताई जा रही है। चौकी इंचार्ज चुंगी रोशन गुप्ता ने बताया कि लोगों के द्वारा हमें यह सूचना दी गई थी कि अवंती नगर से निकलने वाली नहर की पटरी पर एक नवजात शिशु पड़ा है। सूचना पर हम लोग पहुंचे थे और इस बच्चे को जिला अस्पताल में भर्ती करवाए हैं। जहां बच्चे की हालत स्वस्थ बताई जा रही है। मामले की जानकारी देते हुए महिला जिला अस्पताल की सीएमएस उषा ने बताया कि पुलिस द्वारा एक बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसका स्वास्थ्य ठीक है। अब यह बच्चा कोई रास्ते में छोड़ गया था बाकी प्रशासनिक और पुलिस की कार्रवाई आगे की जाएगी। फिलहाल मां ने नवजात बच्चे को क्यों छोड़ा इसकी तस्वीर साफ नहीं हो पाई है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है।

मजदूरों की बदहाली के लिये सरकार की नीतियां जिम्मेदार

आज देश का मजदूर तबका जिन जान लेवा स्थितियों का सामना कर रहा है उसके लिये केन्द्र और राज्य सरकारों की नीतियां जिम्मेदार हैं।

छात्रा का निर्वस्त्र शव मिला

आगरा (ईएमएस)। पर्यटन नगरी में कक्षा आठवीं की एक छात्रा का निर्वस्त्र शव मिला है। पुलिस के अनुसार आठवीं कक्षा की एक छात्रा सोमवार सुबह अपने घर के पास ही खाली प्लॉट में शौच के लिए गई थी। वह काफी देर तक वह वापस नहीं लौटी। कुछ देर बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। एक पेड़ के नीचे बालिका का निर्वस्त्र शव मिला। उसके शरीर और चेहरे पर खरोंच के निशान बताए जा रहे हैं। वहीं घटना की जानकारी होने पर एसपी ग्रामीण रवि कुमार के साथ ही कई थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है और पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है।

अवैध संबंध के शक में पति ने कुल्हाड़ी मार कर पत्नी की हत्या, थाने पहुंच कबूला गुनाह

मुरादाबाद (ईएमएस)। यूपी के मुरादाबाद शहर से सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां एक शख्स ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी उसके बाद कोतवाली पहुंच कर खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के पीछे अवैध संबंधों का शक बताया गया है।

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में ले कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी युवक बालूराम उर्फ बब्बू मुरादाबाद के बिलारी थाना क्षेत्र के मो. हल्ला महाजनान का रहने वाला है। बालूराम ईट–भट्ठा पर मजदूरी करता था। बालूराम का कई बार अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ। जिसके बाद उसने गुस्से में आकर घर में सो रही पत्नी के सीने और सिर पर कुल्हाड़ी से कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस शव का पंचनामा भर कानूनी कार.ंवाई कर रही है। मृतका का नाम सीमा बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, उसकी उम्र 36 साल थी। बताया जा रहा है 10 साल पहले आरोपी मजदूर बालूराम ने किसी दलाल के माध्यम से दस हजार में दुल्हन खरीद कर शादी की थी। अवैध संबंधों के शक में काफी दिनों से पति–पत्नी के बीच अनबन चल रही थी। आरोपी पति बालूराम उर्फ बब्बू ने पुलिस को बताया कि मेरी पत्नी काफी समय से फोन पर पता नहीं किससे बात करती थी।

मेरे मना करने के बावजूद भी वह नहीं मानती थी और मुझे हर समय जान से मारने की धमकी देती थी। आरोपी ने आगे बताया कि सोमवार की रात तड़के तीन बजे मैं तख्त पर सो रहा था और मेरी पत्नी नीचे फर्श पर सो रही थी। मैंने कुल्हाड़ी उठाई और कई बार अपनी पत्नी के सिर पर प्रहार कर दिए और मैं थाने आ गया। मजदूर ने बताया कि मेरे चार बच्चे हैं।

पुलिस थाने में पहुंच कर आरोपी ने अपना गुनाह कुबूल लिया। जैसे ही आरोपी पुलिस थाने पहुंचा तुरंत ही पुलिस मौके पर उसके घर पहुंची। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जाकर जांच पड़ताल की। मुरादाबाद एस पी उदय शंकर ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है। आरोपी मजदूर को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

मऊ में बिना काम 4 करोड़ का भुगतान, डीएम की बन्द हुई जुबॉन

सपा के पूर्व एमएलसी के रिश्तेदार ''बीडियों'' पर भाजपा के कलेक्टर की मेहरबॉनी पर कयासबाजी का दौर

लोगों में जांच तो दूर की बात उसके बाद लिपापोती की आशंका कर रही ''घर''

डेढ दर्जन से अधिक गांवो में बिना काम बीडीओं ने किया भुगतान, ईएमएस ने रखा कदम तो अधिकांश ने शुरू किया

आजमगढ (ईएमएस)। मऊ जिले के विकास खंड रतनपुरा के अधिकांश ग्राम पंचायतों में बिना काम कराए ही मनरेगा योजना के सामग्री मद से सरकारी धनों की की गई बंदरबाट को लेकर जिला प्रसासन की उपेक्षा से एक तरफ जहां बीडियों के हौशले में वृद्धि देखी जा रही है तो वही पर ग्राम पंचायतों में निर्माण में मानक की खुलेआम धज्जिया उड़ाते हुए कराए जा रहे निर्माण कार्यों मे तेजी है। जिलाधिकारी तक पहुची शिकायत का असर फिलहाल विकास खंड रतनपुरा में दूर तक नही है। इलाके के अरदौना, मानिकपुर, खालिसपुर सिधवल, मवड़ीकला, कुडसर, इटैली, कुडवा, उमरपुर, सेहबरपुर,, बस्ती, पहसा, करौधी, तरवाडीह, गहना, गुलौरी,मडैली बढ़नपुरा, मुस्तफाबाद, पिलखी वरूणा सहित कई और गांवों में बिना काम ही बीडीयों ने मनरेगा से लाखो–लाख का भुगतान कर सरकार को 4 करोड़ 67 लाख की चपत लगाने का काम किया है। हालॉकि ईएमएस'' को इलाके में कदम रखते ही अधिकांश गावों में निर्माण कार्य शुरू हो चुके है लेकिन भुगतान को नियमानुसार साबित करने में मानक को ताक पर रखकर निर्माण को पूरा किया जा रहा है। यही नही अधिकांश भुगतान में एमबी का भी ध्यान नही दिया गया है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार विकास खंड रतनपुरा में महात्मागांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना की खुलेआम खंड विकास अधिकारी के द्वारा पदीय अधिकारों की आड़ में धज्जिया उडाई जा रही है। बीडियों ने नियमों को ताक पर रखकर बिना काम कराए अपने चहेते ग्राम सभाओं मे ग्राम प्रधानों के कब्जे में रहने वाली संस्थाओ के नाम पर योजना के सामग्री मद मे लाखोंलाख का भुगतान कर दिया है। करऊत और सेहबरपुर की शिकायत को ईएमएस के द्वारा प्रकाशित होने के बाद यहां के ग्राम प्रधानों की नींद खुली तो वे मानक को ताक पर रखकर निर्माण कार्यो मे जुट गए। फिलहाल मानक'' को ताक पर रखकर इन गांवों ने ''पिसान पोत कर भंडारी बनने'' वाली कहावत को चरितार्थ कर दिया। इस योजना से सरकारी धनों की बंबरबांट में ये दो गांव ही नही है यदि देखा जाएं तो सिधवल, मवड़ीकला, कुडसर, इटैली, कुडवा, उमरपुर, सेहबरपुर, हलधरपुर, बस्ती, पहसा, करौधी, तरवाडीह, गहना, गुलौरी,मडैली बढ़नपुरा, मुस्तफाबाद, पिलखी वरूणा और मानिकपुर सहित कई और गांव है जहां बिना काम कराए ही मनरेगा से लाखो–लाख का भुगतान कर दिया गया है। किन्ही गांवो में पुराने कार्यो को नया दिखाकर धन उतार लिया गया है तो कही पर दूसरी कार्यदायी संस्था के द्वारा कराए गए निर्माण कार्यो को ग्राम पंचायत द्वारा कराया गया दिखा कर धन निकाल लिया गया है। जब ''ईएमएस'' ने इन इलाकों मे कदम रखा तो ''मानकों'' को ताक पर रखकर निर्माण कार्य शुरू कराया गया पाया जाने लगा। इलाकाई लोगों का कहना है कि बीडियों के द्वारा पदीय अधिकारों की आड़ मे सरकार को करोड़ो की चपत लगाने की साजिश और फिर उस पर अमल करने के बावजूद जिलाधिकारी के द्वारा अब तक जांच कर कार्यवाही नही किए जाने का क्या कारण है? बहरहाल इन इलाकों में से अधिकांश गांवो मे अधिकांश निर्माण कार्य शुरू हो चुके है। बीडीओ को जल्द से जल्द कार्यो को पूरा करने पर जोर होने के कारण कार्यो में मानक की खुलेआम धज्जिया उड़ाई जा रही है। देखना यह है कि जिलाधिकारी के द्वारा इन इलाको का कब दौरा कर तकनीकी जांच के सहारे दोषियों पर कार्यवाही की जाती है। उधर खण्ड बिकास अधिकारी ने सभी भुगतान को नियमानुसार किये जाने की बात कही है।

इनसेटः–

डीएम –बीडीओं के बीच ''लगाव'' का कारण तलास रहे लोग

मऊ (ईएमएस)। बहरहाल जिलाधिकारी के द्वारा कार.ंवाई के प्रति जानबूझकर की जा रही उपेक्षा से वीडियों के साथ ग्राम पंचायतों के जिम्मेदार चांदी काटने में लगे हुए है और प्रसासन कान मे तेल डालकर चैन की नींद ले रहा है। बीडियो और डीएम के बीच के लगाव में लोग कारण तलास रहे है तो वही पर राजनीतिक खेमे में भी सपा के पूर्व एमएलसी के रिश्तेदार पर भाजपा सरकार के अफसर की मेहरबॉनी देख लोगो में कयासबाजी में है। बताते चले यह दूसरी बार है जब वर्तमान ''बीडियों'' को विकास खंड रतनपुरा का चार्ज दिया गया है। चार्ज पाते ही बीडियों ने ग्राम सभाओं में मनरेगा के सामग्री मद से बिना काम कराए ही गांवों को लाखों–लाख बांट दिए। जब ईएमएस की नजर पड़ी तो मानकों ताक पर रखकर निर्माण कार्य शुरू कराया गया। इलाकाई लोगों का कहना है कि बीडियों के द्वारा पदीय अधिकारों की आड़ मे सरकार को करोड़ो की चपत लगाने की साजिश और फिर उस पर अमल करने के बावजूद जिलाधिकारी का अब तक मामले में जांच क्यो नही कर रहे है? लोग डीएम और बीडीयों के बीच उपजे ''लगाव'' के कारण ''तलास'' रहे है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा का निर्वाचन रद्द होने पर कांग्रेस ने कहा "सत्यमेव जयते"

अहमदाबाद । अहमदाबाद जिले की धोलका विधानसभा सीट से विजेता घोषित भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा का निर्वाचन आज गुजरात हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। शिक्षा मंत्री चूडास्मा का निर्वाचन रद्द होने से राज्य की भाजपा सरकार को बड़ा झटका लगा है। वहीं कांग्रेस ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है और कहा कि आखिर सत्य की जीत हुई।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद कांग्रेस नेता और बिहार के प्रभारी शक्तसिंह गोहिल ने ट्वीट कर कहा कि "सत्यमेव जयते।" गोहिल के बाद गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि आखिरकार आज सच्चाई की जीत हुई है। भाजपा अब तक सत्ता का दुरुपयोग कर मतगणना में धांधली करती आई है। लेकिन आज अदालत ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया। उन्होंने कहा कि 2017 में हुए धोलका विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान 429 बैलेट पेपर रद्द कर दिए गए थे और भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा को 327 वोटों से विजेता घोषित किया गया था। धोलका चुनाव के नतीजे को चुनौती देते हुए कांग्रेस प्रत्याशी अश्विन राठौड़ ने इलेक्शन पिटिशन दाखिल की थी। दो साल सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने आज चूडास्मा का निर्वाचन रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि इस दौरान भाजपा ने केस वापस लेने के लिए अश्विन राठौड़ को लालच और दबाव भी बनाया। लेकिन अश्विन राठौड़ टस से मस नहीं हुए और आज नतीजा सबके सामने है।

कांग्रेस नेता राजीव सातव ने हाईकोर्ट के फैसले के बाद ट्वीट किया है।

अपने टवीट में सातव कहा कि "चुनाव के गुजरात मॉडल का पर्दाफाश हुआ। गुजरात के कानून मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा की 2017 में चुनाव जीत को गैरकानूनी घोषित किया गया है।

एक महत्वपूर्ण फैसले में गुजरात उच्च न्यायालय ने यह निर्णय दिया है।'

गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख भरतसिंह सोलंकी ने हाईकोर्ट का फैसला स्वागत करते हुए ट्वीट कर कहा "सत्यमेव जयते"।

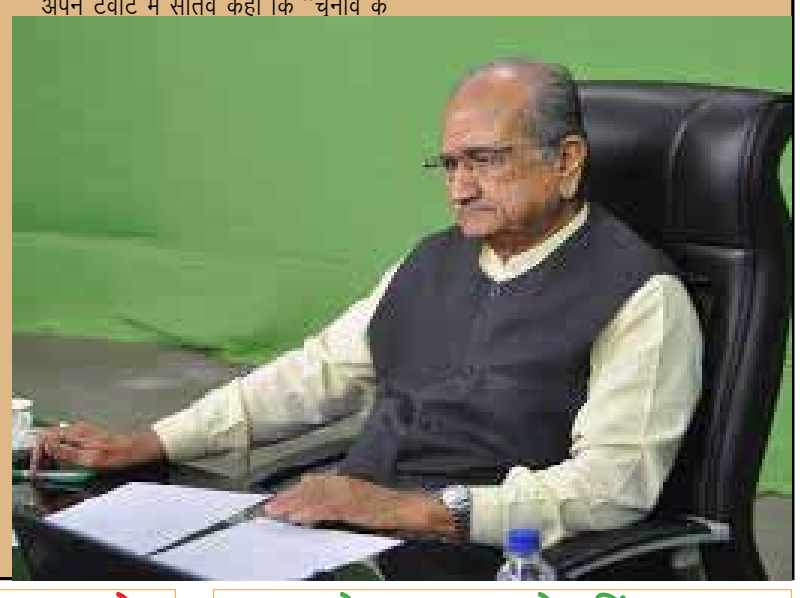

चूडास्मा का निर्वाचन रद्द होना भाजपा के लिए बुरी खबर : नितिन पटेल

अहमदाबाद । गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा का निर्वाचन रद्द किए जाने पर अफसोस जताया और कहा कि भाजपा के लिए यह एक बुरी खबर है। बता दें कि गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा का निर्वाचन रद्द कर दिया है। राज्य के मौजूदा शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने अहमदाबाद जिले की

धोलका विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था और 327 वोटों से विजेता घोषित किए गए थे। कांग्रेस प्रत्याशी अश्विन राठौड़ ने मतगणना में धांधली का आरोप लगाते हुए इलेक्शन पिटिशन दाखिल की थीं।

हाईकोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नितिन पटेल ने कहा कि भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने 2017 में धोलका विधानसभा सीट से चुनाव जीता था। लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार ने बैलेट पेपर में धांधली का आरोप लगाते हुए इलेक्शन पिटिशन की थी। हाईकोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा का निर्वाचन रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट के फैसले से उन्हें काफी दुःख हुआ है। भाजपा के लिए यह एक बुरी खबर है। उन्होंने कहा कि भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा गुजरात हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे और मनरेगा : मऊ में बिना काम 4 करोड़ का भुगतान, डीएम की बन्द हुई जुबॉन

म्नरेगाः मऊ में बिना काम 4 करोड़ का भुगतान, डीएम की बन्द हुई जुबॉन

––सपा के पूर्व एमएलसी के रिश्तेदार "बीडियों" पर भाजपा के कलेक्टर की मेहरबॉनी पर कयासबाजी का दौर

सत्ता के दम पर भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा ने जीता था चुनाव : कांग्रेस प्रत्याशी

अहमदाबाद । गुजरात हाईकोर्ट ने आज धोलका विधानसभा सीट से विजेता राज्य के शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा का निर्वाचन रद्द कर दिया हैद्य हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी अश्विन राठौड़ ने कहा कि भूपेन्द्रसिंह ने सत्ता के दम पर चुनाव जीता था। भूपेन्द्रसिंह के खिलाफ केवल 327 वोटों से हारे अश्विन राठौड़ ने कोर्ट में इलेक्शन पिटिशन दाखिल की थी। अश्विन राठौड़ ने कहा कि उन्हें कोर्ट पर पूरा भरोसा था और उन्हें न्याय मिला है। मतगणना के दौरान बैलेट पेपर रद्द करने के साथ ही रिकाउटिंग की मांग को भी खारिज कर दिया गया था।

कोरोना से खत्म होने लगती है सूंघने की क्षमता

––सूंघने और स्वाद लेने की क्षमता हो जाती है खत्म

सिडनी (ईएमएस)। कई अध्ययन में यह साबित हो चुका है कि कोरोना वायरस की चपेट में आने वाले लोगों में सूंघने और स्वाद लेने की क्षमता का खत्म होने लगती है। कोरोना संक्रमित 103 मरीजों पर हुए ताजा अध्ययन में यह बात सामने आई है कि संक्रमण के तीन दिन बाद से ही व्यक्ति के सूंघने की क्षमता प्रभावित हो रही है। अध्ययन में बताया गया है कि संक्रमण के तीसरे दिन से व्यक्ति के सूंघने की क्षमता प्रभावित होने लगती है। अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी के प्रमुख शोधकर्ता प्रो. अहमद सेदाघाट का कहना है कि 103 मरीजों में से 61 फीसदी मरीजों के सूंघने की क्षमता कम होने लगी थी या खत्म हो गई थी। अध्ययन में यह भी पता चला है कि ये समस्या तब और

सरकार की बड़ी घोषणा, राजकोट में 14 मई से उद्योग होंगे शुरू

राजकोट । गुजरात सरकार ने आज राजकोट में बंद पड़े उद्योग 14 मई से शुरु करने की घोषणा की है।क्न्टेन्मेन्ट के अलावा अन्य इलाकों में इन्डस्ट्रीज शुरु होगी। उद्योग शुरु करने के लिए उद्योगकारों को जिला स्तर पर कलेक्टर से मंजूरी लेनी होगी।

गुजरात में लोकडाउन पूर्ण होने की कगार पर है। राजकोट में बंद पडे उद्योगों को फिर से एक बार शुरु करने को लेकर सीएमओ के अग्रसटिव ने महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि 14 मई से उद्योग व्यापार शुरु होगा। लोकडाउन–3 में 17 मई के बाद राज्यों ने आर्थिक स्थिति से निपटने के लिए गुजरात सरकार ने भी ब्ल्यू प्रिन्ट तैयार कर ली है। जिसके तहत 14 मई से उद्योग वेपार शुरु होंगे।

शहर की कपडे की दुकाने खुली रख पाएंगे। लोकडाउन के बाद शहरों में प्रवेश हेतु चेकपोस्ट पर चेकिंग व्यवस्था कड़ी की जाएगी।

राजकोट में कन्टेन्मेन्ट जोन के अलावा क्षेत्रों में इन्डस्ट्रीज फिर से शुरु होगी । जिसके लिए उद्योगकारों को जिला स्तर से मंजूरी लेनी होगी।

सचिन जीआईडीसी के सोसायटी में दुकान खोलने वाले एक किराना व्यापारी ने मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या कर ली पुलिस स्टेशन ले जाया गया। बाद में पीटा गया।

सूरत। कोरोना वायरस के बाद एक लॉकडाउन चल रहा है। उस समय सूरत के सचिन जीआईडीसी क्षेत्र के गौतम नगर में एक किराना व्यापारी ने आत्महत्या कर ली थी। यूपी के रहने वाले विष्णुदत्त का शव सुबह एक खाली कमरे से लटका मिला। उनके रिश्तेदारों के अनुसार, विष्णुदत ने आत्महत्या कर ली थी, जब वह पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बाद घर आया था, तब से वह मानसिक तनाव में था।

तनाव में आत्महत्या कर ली सचिन जीआईडीसी के गौतम नगर में रहने वाला 38 वर्षीय यूपी का रहने वाला है। उनके करीबी लोगों ने कहा कि विष्णु दो दिनों से मानसिक तनाव में रह रहे थे। 10 मई को दुकान खोलने के दौरान 38 वर्षीय विष्णु को पुलिस ने उठाया और दुकान खोलने के आरोप में पुलिस स्टेशन ले जाया गया। बाद में पीटा गया। पूरे दिन थाने में रखा। वह पुलिस स्टेशन से 4,000 रुपये का जुर्माना भरने के बाद कमरे में रहा। उन्होंने कहा कि वह अपमानित महसूस करता रहा और उसी तनाव में उसने आत्महत्या कर ली। बिना भोजन किए रात को बिस्तर पर जाने वाले विष्णु 11 तारीख को सुबह मानसिक तनाव की स्थिति में थे।

पत्नी ने भाई को बुलाया रात को घर से निकलने के बाद पैंट के बजाय अपनी कमर के चारों ओर लपेटे हुए एक रूमाल के साथ, उनकी पत्नी सविता देवी, जो वापस नहीं आईं, को भ. ई संतोष कहा गया। सुबह घर के पास एक बंद कमरे में पंखे के साथ सभी फंदे को खाते हुए पाए जाने से परिवार शोक में डूब गया। पुलिस पोस्टमार्टम की दिशा में जांच कर रही है। विष्णु की मृत्यु के साथ, उनके तीन बच्चों ने अपने पिता की छत खो दी है।

15 मई से शर्तों के साथ शुरू होगी अहमदाबाद में सब्जी और किराना की दुकानें

अहमदाबाद । एक सप्ताह के बाद आगामी 15 मई से अहमदाबाद में शर्तों के साथ सब्जी–फल और किराने की दुकानें शुरू की जा सकेंगी। अहमदाबाद में संपूर्ण लॉकडाउन 15 मई को पूर्ण हो जाएगाद्य उससे पहले डॉ. राजीव गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में फैसला किया गया कि दुकानें खोलने के लिए आवश्यक नियमों का पालन करना होगाद्य 15 से अहमदाबाद शहर में किराना, सब्जी, फल और चक्की इत्यादि शुरू की जा सकेंगी। हांलाकि इसके लिए दुकानों को शर्तों का पालन करना जरूरी है। सभी विक्रेताओं को हेल्थ स्क्रीनिंग कार्ड रखना अनिवार्य होगा। दुकानें सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक ही खोली जाएंगीद्य इस दौरान केवल आवश्यक चीजवस्तुओं की बिक्री की जा सकेगीद्य हर सातवें दिन हेल्थ स्क्रीनिंग कार्ड रिन्यू कराना होगा। दुकान में सोशल डि. स्टन्स का पालन करना होगाद्य कंटेनमेंट एरिया के किसी भी स्टाफ को रखने की अनुमति नहीं होगी। डिजिटल पैमेन्ट नहीं होने की स्थिति में नकदी लेन–देन के लिए अलग अलग ट्रे रखनी होगी। यानी पैसे लेने की अलग और पैसे देने की ट्रे अलग होनी चाहिएद्य सभी को दस्ताने, सैनिटाइजर, कैप, मास्क इत्यादि पहनना अनिवार्य होगा। इसके अलावा सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होम डिलीवरी की जा सकेगी।

गुजरात में कोरोना के 362 नए केस,अहमदाबाद में 267 मामले

– 24 घंटों में 24 मरीजों की मौत, राज्यभर में 466 लोग स्वस्थ होकर घर लौटे

अहमदाबाद । गुजरात में कोरोना थमने का नाम ले रहा है पिछले 24 घंटों में राज्य में कोरोना के 362 नए केसों के साथ इसका आंकड़ा 8904 पर पहुंच गया है। 362 में से इकलौते अहमदाबाद में कोरोना के 267 केस दर्ज हुए हैं। राहत की बात यह है कि रिकवरी रेट बढ़ने लगा हैद्य 24 घंटों में राज्य में 466 लोग ठीक होकर अपने घर को लौट गए हैं। जबकि 24 मरीजों की मौत हो गई। स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि के मुताबिक बीते 24 घंटों में अहमदाबाद में 267, वडोदरा में 27, सूरत में 30, भावनगर में 2, भरुच में 1, गांधीनगर में 3, पाटन में 2, छोटाउदेपुर में 3, कच्छ में 6, मेहसाणा में 7, गिर सोमनाथ में 5, खेडा में 3, जामनगर में 1, साबरकांठामें 1, अरवल्ली में 1, महीसागर में 2 और देवभूमि द्वारका समेत राज्यभर में कोरोना के 362 मामले सामने आए हैं। जबकि राज्य में 24 मरीजों की मौत हुई है। जिसमें अहमदाबाद में 21, राजकोट, सूरत और वडोदरा के एक–एक मरीज शामिल हैं। 24 घंटों में अस्पताल से डिस्चार्ज हुए 466 लोगों में अहमदाबाद के 392, बनासकांठा में 3, बोटाद में 4, दाहोद में1, गांधीनगर में 12, जूनागढ़ में 2, महीसागर में 11, पाटन में 1, साबरकांठा में 4, सूरत में 23 और वडोदरा के 13 लोग शामिल हैं। जयंति रवि ने बताया कि राज्य में अब तक 119537 टेस्ट किए गए, जिसमें 110633 नेगेटिव और 8904 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। राज्य में कोरोना के कुल 8904 मामलों में 5121 सक्रिय मरीज हैं। जिसमें 5091 मरीजों की हालत स्थिर है और 30 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। जबकि 3246 लोग अब तक ठीक होकर अपने घरों को लौट चुके हैं और 537 मरीजों की मौत हो चुकी है। राज्य में कुल 151147 लोग कोरन्टाइन हैं। जिसमें 144322 होम कोरन्टाइन, 6092 सरकारी कोरन्टाइन और 733 प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। जयंति रवि ने बताया कि 267 नए केसों के साथ अहमदाबाद में कोरोना का आंकड़ा 6353 पर पहुंच गया है। वहीं वडोदरा में 574, सूरत में 944, राजकोट में 66, भावनगर में 97, आणंद में 80, भरुच में 32, गांधीनगर में 142, पाटन में 29, पंचमहल में 65, बनासकांठा में 81, नर्मदा में 13, छोटाउदेपुर में 17, कच्छ में 14, मेहसाणा में 59, बोटाद में 56, पोरबंदर में 3, दाहोद में 20, गिर सोमनाथ में 17, खेडा में 32, जामनगर में 30, मोरबी में 2, साबरकांठा में 27, अरवल्ली में 75, महीसागर में 46, तापी में 2, वलसाड में 6, नवसारी में 8, डांग में 2, सुरेन्द्रनगर में 3, देवभूमि द्वारका में 5, जूनागढ़ में 3 और अन्य राज्य 1 समेत कोरोना के कुल 8904 मामले अब तक दर्ज हो चुके हैं।

151147 लोग कोरन्टाइन हैं। जिसमें 144322

दक्षिण गुजरात के डांग व तापी जिले हुए कोरोना से मुक्त

वलसाड और नवसारी जिला कोरोना मुक्त होने पर एक एक केस की दूरी पर

सूरत । दक्षिण गुजरात के जिलों में से सूरत शहर रेड जोन में है, जबकि नवसारी, तापी, वलसाड और डांग जिला ओरेन्ज जोन में है। हालांकि राहत के समाचार यह है कि तापी जिला कोरोना मुक्त हो चुका है।नवसारी, वलसाड और डांग जिला कोरोना से मुक्त होने में एक एक की दूरी र है। तापी जिले में पहला केस 20 अप्रैल को मायपुर के महिला का दर्ज हुआ था। 4 मई को वह स्वस्थ होने पर उसे छुट्टी दे गई। जबकि अन्य एक कुकरमुंडा तहसील के इंटवाइ गांव की केन्सर पीडित मरिज व्यक्ति का कोरोना रिपोर्ट पोजिटिव आने पर उन्हें अहमदाबाद बी.जे. मेडिकल अस्पताल के केन्सर वोर्ड में भर्ती कराया गया। 8 मई को स्वस्थ होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई। डांग जिले में 15 दिन तीन पोजिटिव केस दर्ज हुए है। मरिजों को स्वस्थ होने पर उहें छुट्टी दे गईद्य तीन मरिज स्वस्थ होने पर 7 दिनों तक घर में ही कोरोन्टाइन किया जाएगा। वलसाड जिले में कुल 8 पोजिटिव केस दर्ज हुए थेद्य जिसमें से धरमपुर के एक युवक सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जिले में सबसे पहला केस 20 अप्रैल को दर्ज हुआ था। इसके बाद एक के बाद एक 6 केस दर्ज हुए, जिसमें 4 लोग स्वस्थ हो चुके है जबकि 2 मई को दर्ज एक पोजिटिव मरिज का इलाज जारी है और उसकी हालत स्थिर है। वलसाड जिले में हाल एक ही पोजिटिव केस एक्टिव है। नवसारी जिले में कुल 7 केस दर्ज हुए थे जिसमें चीखली में एक साथ तीन केस दर्ज हुए। हालांकि इन केस में से अबतक 6 मरिज स्वस्थ होकर घर लौट चुके है। जबकि एक मरिज का इलाज जारी है।

बगैर ई टिकट के रेलवे स्टेशन पर प्रवेश नहीं, स्टेशन पर टिकट नहीं मिलेगा : डीजीपी

अहमदाबाद । गुजरात के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने स्पष्ट किया कि ई टिकट होने पर ही रेलवे स्टेशन पर प्रवेश मिलेगां । रेलवे स्टेशन पर बुकिंग की सुविधा नहीं है। रेल मंत्रालय द्वारा केन्द्र की गाइडलाइन के मुताबिक श्रमिकों के लिए विशेष ट्रेन एवं अन्य रेल सेवा आज से शुरू की गई है। आज से प्रारंभ हुई रेल सेवा की ऑनलाइन बुकिंग चालू है। रेल सेवा का उपयोग करने वालों को ऑनलाइन बुकिंग करवा होगा। ऑनलाइन कन्फर्म ई टिकट होने पर भी यात्री को रेलवे स्टेशन के अंदर प्रवेश दिया जाएगाद्य रेलवे स्टेशन पर टिकट बुकिंग की कोई व्यवस्था नहीं है और बगैर टिकट वहां कोई प्रवेश नहीं कर पाएगा। सभी के लिए बेहतर यही होगा कि वह पहले ऑनलाइन बुकिंग करवाएं और उसके बाद ही रेलवे स्टेशन जाएं। जिन लोगों के पास कन्फर्म टिकट है, उन्हें भी मास्क पहनना अनिवार्य है। साथ ही सोशल डिस्टन्स का पालन व सैनिटाइजर का उपयोग करना होगा। इस बारे में पुलिस को खास आदेश दिया गया है। शिवानंद झा ने बताया कि विदेश में फंसे नागरिकों को गुजरात लाने की शुरुआत हो चुकी है और उन्हें राज्य सरकार द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करना होगा। विदेश से लौटने वाले नागरिकों को कोरन्टाइन समय पूर्ण करना जरूरी है और इसके लिए पुलिस द्वारा निगरानी और पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। ऐसे लोग यदि कोरन्टाइन का उल्लंघन करते हैं तो उनके खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाएगाद्य साथ ही झा ने अपील भी की है कि विदेश से आए लोग जब तक कोरन्टाइन समय पूरा नहीं हो जाता तब तक अन्य किसी नागरिक से नहीं मिलें। विदेश से लौटे नागरिकों के संपर्क में आने से संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है, इसका सभी को ध्यान रखना चाहिएद्य उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान प्रतिबंधित वस्तुओं की हेराफेरी पर पुलिस की कड़ी नजर है।

अहमदाबाद के सोला पुलिस थानान्तर्गत दूध के पार्लर की आड़ में पान–मसाला की बिक्री का पर्दाफाश कर पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की है। वहीं राजकोट में सब्जी का परिवहन करते वाहन में तम्बाकू की हेराफेरी करनेवाले को गिरफ्तार किया गया है।

तापी जिले में सोनगढ़ चेकपोस्ट के निकट प्याज की बोरियों में शराब की तस्करी का पर्दाफास कर पुलिस ने रु. 1.92 माल–सामान और वाहन समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सुरत के अलग–अलग क्षेत्रों में सुरत के मेयर ने लिया परिस्थितियों का जायजा

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)